==

AVYAKT MURLI

16 / 05 / 73

==

16-05-73 ओम शान्ति अव्यक्त बापदादा मधुबन

अन्तिम पुरूषार्थ

मूर्च्छित को सुरजीत करने वाले, सर्व को सहयोग देने वाले, मनुष्यात्माओं को देव-आत्मा बनाने वाले, सर्वशक्तिमान् बाबा बोले:

सर्वशक्तियों से सम्पन्न-मूर्त्त क्या स्वयं को अनुभव करते हो? बापदादा द्वारा इस श्रेष्ठ जन्म का वर्सा क्या प्राप्त हो गया है? वर्से के अधिकारी अर्थात् सर्वशक्तियों के अधिकारी बनना, सर्वशक्तियों के अधिकारी अर्थात् मास्टर सर्वशक्तिवान् बने हो? मास्टर सर्वशक्तिवान् बनने से जो प्राप्ति स्वरूप अनुभव करते हो क्या उसी अनुभव में निरन्तर स्थित रहते हो वा इसमें अन्तर रहता है? वर्से के अधिकारी बनने में सिर्फ जो दो बातें बुद्धि में रखने से अन्तर समाप्त हो निरन्तर वह स्थिति बना सकते हो वे दो शब्द कौन-से हैं? वह जानते भी हो, और कर भी रहे हो, लेकिन निरन्तर नहीं करते हो? एक है स्मृति को यथार्थ बनाने का, दूसरा है कर्म को श्रेष्ठ

बनाने का। वे दो शब्द कौन-से हैं? एक है स्मृति को पॉवरफुल बनाने के लिये सदा कनेक्शन (Connection) और कर्म को श्रेष्ठ बनाने के लिए सदा अपनी करेक्शन (Correction) चाहिए। करेक्शन हर कर्म में न होने के कारण मास्टर सर्वशक्तिवान् वा ऑलमाईटी अथॉरिटी की स्टेज (Stage) पर निरन्तर स्थित नहीं हो पाते हो। यह दोनों शब्द कितने सरल हैं। यहाँ आए भी इसलिए हो ना? जिस कर्त्तव्य के लिए आए हो उसको करना मुश्किल होता है क्या?

मुश्किल किसको अनुभव होता है? जो कमजोर होते हैं। वे मुश्किल अनुभव क्यों करते हैं? कनेक्शन जुटे हुए भी कभी-कभी मुश्किल अनुभव करते हैं। वह इसलिए मुश्किल अनुभव होता है, क्योंकि मेहनत नहीं करते। जानते भी हैं, समझते भी हैं, चलते भी हैं लेकिन चलते-चलते फिर विश्रामपसन्द हो जाते हो। बापदादा के पसन्द नहीं, लेकिन आराम पसन्द। इसलिए जानते हुए भी ऐसी स्थिति बन जाती है। तो बाप-समान श्रेष्ठ कर्म करने में आराम-पसन्दी श्रेष्ठ स्थिति को नहीं पा सकते। इसलिए हर संकल्प और हर कर्म की करेक्शन करो। और बापदादा के कर्मों से कनेक्शन जोड़ो फिर देखो कि बाप-समान हैं? अभी आप श्रेष्ठ आत्माओं का लास्ट पुरूषार्थ कौन-सा रह गया है? लास्ट स्टेज के लास्ट पेपर के क्वेश्चन को जानते हो? जानने वाला तो ज़रूर पास होगा ना? आप सभी फाईनल (Final) परीक्षा के लास्ट क्वेश्चन को जानते हो? आप का लास्ट क्वेश्चन आपके भक्तों

को भी पता है। वह भी वर्णन करते हैं। आपको भक्त जानते हैं और आप नहीं जानते हो? भक्त आप लोगों से होशियार हो गए हैं क्या?

आज श्रेष्ठ आत्माओं के कल्प पहले की रिजल्ट का भक्तों को मालूम है और आप लोगों को अपने वर्तमान पुरूषार्थ के फाईनल स्टेज भूल गई है। वह लास्ट स्टेज बार-बार सुनते हो। गायन भी करते हैं। गीता के भगवान् के द्वारा गीता-ज्ञान सुनने के बाद फाईनल स्टेज कौन-सी वर्णन करते हो? (नष्टोमोहा.स्मृतिर्लब्धा) भक्त आपकी स्टेज का वर्णन तो करते हैं ना? तो लास्ट पेपर का क्वेश्चन कौन-सा है? स्मृति स्वरूप किस स्टेज तक बने हो और नष्टोमोह: कहाँ तक बने हो?-यही है लास्ट क्वेश्चन। इस लास्ट क्वेश्चन को पूर्ण रीति से प्रैक्टिकल में करने के लिए यही दो शब्द प्रैक्टिकल में लाने हैं। अभी तो सभी पास विद् ऑनर बन जायेंगे ना? जबकि फाईनल रिजल्ट से पहले ही क्वेश्चन एनाउन्स (Announce) हो रहा है। फिर भी 108 ही निकलेंगे। इतना मुश्किल है क्या? पहले दिन से यह क्वेश्चन मिलता है। जिस दिन जन्म लिया उस दिन ही लास्ट क्वेश्चन सुनाया जाता है।

अभी आप लोग जो श्रेष्ठ आत्माएं बैठे हो वह तो पास होने वाले हो ना? सुनाया था कि पास होने के लिये इस ‘पास’ शब्द को दूसरे अर्थ से प्रैक्टिकल में लाओ। जो कुछ हुआ वह पास हो गया। जो बीत चुका उसको अगर पास समझ कर चलते चलो तो क्या पास नहीं होंगे? इसी पास शब्द को हिन्दी भाषा में प्रयोग करो तो पास अर्थात् साथ। बापदादा के पास हैं।

तो इस एक शब्द को तीनों ही रूप से स्मृति में रखो। पास हो गया, पास रहना है और पास होना है। तो रिजल्ट क्या निकलेगी? संगठन की यादगार जो विजय माला के रूप में गाई हुई है उसी विजय माला के मणके अवश्य बन जायेंगे। अगर बापदादा बच्चों को सदैव अपने पास रहने का निमन्त्रण देते हैं, अपने साथ हर चरित्र अनुभव कराने का निमन्त्रण देते हैं तो ऐसा श्रेष्ठ निमन्त्रण स्वीकार नहीं करते हो क्या? सारे कल्प के अन्दर आत्माओं को श्रेष्ठ आत्मा द्वारा वा साधारण आत्मा द्वारा भिन्न-भिन्न प्रकार के निमन्त्रण मिलते रहे लेकिन यह निमन्त्रण अभी नहीं तो कभी नहीं। निमन्त्रण को स्वीकार करना अर्थात् अपने आपको बाप के पास रखना। यह क्या मुश्किल है? निमन्त्रण पर सिर्फ स्वयं को पहुँचना होता है। बाकी सभी निमन्त्रण देने वाले की जिम्मेवारी है। तो अपने आप को बाप के पास ले जाना अर्थात् बुद्धि से बाप के पास रहना इसमें क्या मेहनत है? अगर आज की दुनिया में किसी साधारण व्यक्ति को प्रेजीडेन्ट निमन्त्रण दे कि आज से तुम मेरे साथ रहना तो क्या करेंगे? (साहस नहीं रखेंगे) अगर वह साहस दिलाये तो क्या करेंगे? क्या देरी करेंगे? तो बाप के निमन्त्रण को सदा स्वीकार क्यों नहीं करते हो? कोई रस्सियाँ हैं जो कि खींचती हैं? बच्चे पॉवरफुल हैं या बाप? पॉवरफुल से पॉवरफुल कौन? कौन कितना भी पॉवरफुल हो, लेकिन उससे प्राप्ति क्या? प्राप्ति के अनुभवी स्वरूप के आधार पर उस आकर्षण में आकर्षित होना क्या ब्राह्मण आत्माओं के लिए शोभता है? ब्राह्मण आत्माओं के लिए वा श्रेष्ठ आत्माओं

के लिए प्रभावशाली माया भी किस रूप में दिखाई देती है? कागज़ का शेर अनुभव होता है? जो समझते हैं वह प्रभावशाली माया हमारे लिए कागज़ अर्थात् खिलौना है वह अपना हाथ उठावें।

क्या माया को कागज़ का शेर नहीं बनाया है? क्या वह बेजान नहीं है? जो स्वयं डेकोरेशन को लगाते हैं वे तो डरेंगे नहीं, लेकिन दूसरे डर सकते हैं। अभी उसमें जान है क्या? कभी-कभी जानवाली बन जाती है क्या? अभी उनको मूर्छित नहीं किया है? मूर्छित हो गई है कि अभी वह जिन्दा है। मूर्छित किया है? आप के लिये मर चुकी है? किस स्टेज तक है? मर चुकी है, जल गई है या मूर्छित है? तीन स्टेजिस हैं। कोई के लिए मूर्छित रूप में है, कोई के लिए मर चुकी है और कोई के लिए जल भी गई है अर्थात् नाम निशान नहीं रहा है। तो हर एक अपने को देखे कि किस स्टेज तक पहुँचे हैं? मूर्छित करने के बजाय स्वयं तो मूर्छित नहीं हो जाते हैं? सदा संजीवनी बूटी साथ है तो कभी भी मूर्छित नहीं हो सकते। मूर्छित करने वाले कभी मूर्छित नहीं होते। ब्राह्मण जन्म का कर्त्तव्य ही यह है। जन्म लेने से पहले प्रतिज्ञा क्या की थी? यही प्रतिज्ञा की थी ना कि माया जीत जगतजीत बनेंगे। यह तो जन्म का ही कर्त्तव्य है। जो जन्म से कर्त्तव्य करते आये हो वह क्या मुश्किल होता है? अच्छा।

सदा सुरजीत रहने वाले, सदा सर्वशक्तियों से सम्पन्न रहने वाले, सदा बापदादा के साथ रहने वाले, सदा बाप के कर्त्तव्य में हाथ बढ़ाने वाले, सदा

सहयोगी, सदा विजयी श्रेष्ठ आत्माओं को बापदादा का याद प्यार और नमस्ते!

पार्टी के साथ

बापदादा के लिये गुलदस्ता पार्टी है। उसमें देखना है कि मैं कौन-सा फूल हूँ, गुलाब हूँ या चमेली हूँ? हर एक की विशेषता को तो आप जानते हो ना? कमल और गुलाब में क्या अन्तर है? कमल का पुष्प कमाल करने में प्रवीण। अनुभव करने में गुलाब का फूल है। यहाँ बापदादा स्वयं ही फूलों में सर्व विशेषताए भर रहे हैं। साइंस (साइंस) वाले भी एक में कई चीजें पैदा करते हैं ना? यह कहाँ से सीखा? यहाँ एक-एक में अनेक प्रकार के फूलों का रस भरना। जो गायन है 'तुम्हारी गत-मत तुम्हीं जानो' क्या से क्या बना देना यही गत है ना? एक-एक में सब रस भर देना, सर्व-पुष्पों की जो भी विशेषताये हैं उनमें सर्व पुष्पों की विशेषता भरना है तभी तो कहा जाता है- सर्वगुण सम्पन्न, सर्व रसना सम्पन्न, न कि चौदह कला। सर्व-पुष्पों की रसना समान सम्पन्न बनना यही बाप को प्यारा लगता है। बागवान भी बगीचे को देख हर्षित होते हैं। जहाँ देखो, जो सुनो, और जो बोलो उसमें विशेषता। अपने में हर बात की विशेषता भरो। जब हर बात में विशेषता भरेंगे तो क्या बन जायेंगे? विशेष आत्मा कभी कीचड़ में नहीं फँसती। सदैव हर्षित रहती है। निश्चय बुद्धि के एक-एक बात में निश्चय होना चाहिए। चतुर बाप की सन्तान हैं। जो बहु रूपी बनना जानता है वह हर बात में सफलता-मूर्त्त होगा। अच्छा।

==

QUIZ QUESTIONS

==

प्रश्न 1 :- वर्से के अधिकारी कौन सी दो बातें निरन्तर बुद्धि में रखने से बन सकते है? व दो शब्द कौन-से हैं?

प्रश्न 2 :- फाईनल (Final) परीक्षा का लास्ट क्वेश्चन क्या है और उसे प्रैक्टिकल में कैसे लाना है?

प्रश्न 3 :- 'पास' शब्द को दूसरे अर्थ से प्रैक्टिकल में कैसे लाना हैं और उससे रिजल्ट क्या निकलेगी?

प्रश्न 4 :- चतुर बाप की सन्तान बहु रूपी कैसे बनती है?

प्रश्न 5 :- बापदादा बच्चों को कौन सा निमन्त्रण देते हैं? बच्चों को उसे स्वीकार करने मे क्यों मुश्किल लगती है?

FILL IN THE BLANKS:-

(विश्रामपसन्द, गुलदस्ता, मूर्छित, देव-आत्मा, चमेली, कमजोर, विद् ऑनर, सुरजीत, सहयोग, जल, मेहनत, एनाउन्स (Announce), मर, गुलाब, 108)

1 मूर्च्छित को ________करने वाले, सर्व को ________ देने वाले, मनुष्यात्माओं को ________ बनाने वाले, सर्वशक्तिमान् बाबा।

2 मुश्किल किसको अनुभव होता है? जो ________ होते हैं। वे मुश्किल अनुभव क्यों करते हैं? क्योंकि _______ नहीं करते। जानते भी हैं, समझते भी हैं, चलते भी हैं लेकिन चलते-चलते फिर ________ हो जाते हो।

3 माया की तीन स्टेजिस हैं। कोई के लिए _______ रूप में है, कोई के लिए _______ चुकी है और कोई के लिए _______ भी गई है अर्थात् नाम निशान नहीं रहा है।

4 बापदादा के लिये _______ पार्टी है। उसमें देखना है कि मैं कौन-सा फूल हूँ, _____ हूँ या ______ हूँ।

5 अभी तो सभी पास ________ बन जायेंगे ना? जबकि फाईनल रिजल्ट से पहले ही क्वेश्चन ________ हो रहा है। फिर भी ______ ही निकलेंगे।

सही गलत वाक्यो को चिन्हित करे:-

1 :- निमन्त्रण को स्वीकार करना अर्थात् अपने आपको बाप के पास रखना।

2 :- सदा संजीवनी बूटी साथ है तो कभी भी मूर्छित हो सकते।

3 :- ब्राह्मण जन्म का कर्त्तव्य ही यह है कि माया जीत जगतजीत बनेंगे।

4 :- कमल का पुष्प अनुभव करने में प्रवीण। कमाल करने में गुलाब का फूल है।

5 :- बाप-समान श्रेष्ठ कर्म करने में आराम-पसन्दी साधारण स्थिति को पा सकते हैं।

==

QUIZ ANSWERS

==

प्रश्न 1 :- वर्से के अधिकारी कौन सी दो बातें निरन्तर बुद्धि में रखने से बन सकते है? व दो शब्द कौन-से हैं?

उत्तर 1 :- बाबा ने बहुत सुंदर तरीक़े से समझानी दी हैं। बाबा इशारा करते है कि हम जानते भी है, और कर भी रहे है, लेकिन निरन्तर नहीं करते।

❶ एक है स्मृति को यथार्थ बनाने का, दूसरा है कर्म को श्रेष्ठ बनाने का।

❷ वो दो शब्द हैं- एक है स्मृति को पॉवरफुल बनाने के लिये सदा कनेक्शन (Connection), दूसरा कर्म को श्रेष्ठ बनाने के लिए सदा अपनी करेक्शन(Correction) चाहिए।

❸ करेक्शन हर कर्म में न होने के कारण मास्टर सर्वशक्तिवान् वा ऑलमाईटी अथॉरिटी की स्टेज (Stage) पर निरन्तर स्थित नहीं हो पाते हो।

❹ यही वो दोनों शब्द (Connection) और (Correction) जो सरल हैं हमें निरन्तर वर्से के अधिकारी बना सकती है।

प्रश्न 2 :- फाईनल (Final) परीक्षा का लास्ट क्वेश्चन क्या है और उसे प्रैक्टिकल में कैसे लाना है?

उत्तर 2 :- बाबा याद कराते हैं कि श्रेष्ठ आत्माओं के कल्प पहले की रिजल्ट का तो भक्तों को भी मालूम है और हम बच्चे अपने वर्तमान पुरूषार्थ के फाईनल स्टेज को भूल गए है। भक्त लास्ट स्टेज बार-बार सुनते है। गायन भी करते हैं। गीता के भगवान् के द्वारा गीताज्ञान सुनने के बाद फाईनल स्टेज वर्णन करते है (नष्टोमोहा.स्मृतिर्लब्धा)।

❶ तो लास्ट पेपर का क्वेश्चन है स्मृति स्वरूप किस स्टेज तक बने हो और नष्टोमोह: कहाँ तक बने हो?

❷ इस लास्ट क्वेश्चन को पूर्ण रीति से प्रैक्टिकल में करने के लिए यही दो शब्द (नष्टोमोहा.स्मृतिर्लब्धा) प्रैक्टिकल में लाने हैं।

प्रश्न 3 :- 'पास' शब्द को दूसरे अर्थ से प्रैक्टिकल में कैसे लाना हैं और उससे रिजल्ट क्या निकलेगी?

उत्तर 3 :- बाबा जो हमारा टीचर है बहुत सरल करके अपना पुरुषार्थ कैसे करना है वो बताते हैं:-

❶ बाबा समझानी देते हैं जो कुछ हुआ वह पास हो गया। जो बीत चुका उसको अगर पास समझ कर चलते चलो तो पास हो जायेंगे

❷ इसी पास शब्द को हिन्दी भाषा में प्रयोग करो तो पास अर्थात् साथ।बापदादा के पास हैं।

❸ इस एक शब्द को तीनों रूप से स्मृति में रखो। पास हो गया, पास रहना है और पास होना है।

❹ इससे रिजल्ट यह होगी जो संगठन की यादगार विजय माला के रूप में गाई हुई है उसी विजय माला के मणके अवश्य बन जायेंगे।

प्रश्न 4 :- चतुर बाप की सन्तान बहु रूपी कैसे बनती है?

उत्तर 4 :- जैसे बागवान भी बगीचे को देख हर्षित होते हैं ऐसे ही सर्व-पुष्पों की रसना समान सम्पन्न बनना यही बाप को प्यारा लगता है।

❶ जहाँ देखो, जो सुनो, और जो बोलो उसमें विशेषता। अपने में हर बात की विशेषता भरो।

❷ जब हर बात में विशेषता भरेंगे तो विशेष आत्मा बन जायेगी जो कभी कीचड़ में नहीं फँसती।

❸ सदैव हर्षित रहती है। निश्चय बुद्धि के एक-एक बात में निश्चय होना चाहिए।

❹ चतुर बाप की सन्तान हैं। जो बहु रूपी बनना जानता है वह हर बात में सफलता-मूर्त्त होगें।

प्रश्न 5 :- बापदादा बच्चों को कौन सा निमन्त्रण देते हैं? बच्चों को उसे स्वीकार करने मे क्यों मुश्किल लगती है?

उत्तर 5 :- बापदादा बच्चों को सदैव अपने पास रहने का निमन्त्रण देते हैं, अपने साथ हर चरित्र अनुभव कराने का निमन्त्रण देते हैं।

❶ बच्चों को उसे स्वीकार करने मे मुश्किल लगती है क्योंकि महेनत नहीं करते।यह निमन्त्रण अभी नहीं तो कभी नहीं।

❷ निमन्त्रण को स्वीकार करना अर्थात् अपने आपको बाप के पास रखना।

❸ निमन्त्रण पर सिर्फ स्वयं को पहुँचना होता है। बाकी सभी निमन्त्रण देने वाले की जिम्मेवारी है। तो अपने आप को बाप के पास ले

जाना अर्थात् बुद्धि से बाप के पास रहना है। तो बाप के निमन्त्रण को सदा स्वीकार करना है, बाप सबसे पॉवरफुल हैं।

FILL IN THE BLANKS:-

(विश्रामपसन्द, गुलदस्ता, मूर्छित, देव-आत्मा, चमेली, कमजोर, विद् ऑनर, सुरजीत, सहयोग, जल, मेहनत, एनाउन्स (Announce), मर, गुलाब, 108)

1 मूर्च्छित को __________ करने वाले, सर्व को _________ देने वाले, मनुष्यात्माओं को __________ बनाने वाले, सर्वशक्तिमान् बाबा।

सुरजीत / सहयोग / देव-आत्मा

2 मुश्किल किसको अनुभव होता है? जो ___________ होते हैं। वे मुश्किल अनुभव क्यों करते हैं? क्योंकि ________नहीं करते। जानते भी हैं, समझते भी हैं, चलते भी हैं लेकिन चलते-चलते फिर ________ हो जाते हो।

कमजोर / मेहनत / विश्रामपसन्द

3 माया की तीन स्टेजिस हैं। कोई के लिए _________ रूप में है, कोई के लिए ______ चुकी है और कोई के लिए ______ भी गई है अर्थात् नाम निशान नहीं रहा है।

मूर्छित / मर / जल

4 बापदादा के लिये ________ पार्टी है। उसमें देखना है कि मैं कौन-सा फूल हूँ, _______ हूँ या ________ हूँ।

गुलदस्ता / गुलाब / चमेली

5 अभी तो सभी पास _________ बन जायेंगे ना? जबकि फाईनल रिजल्ट से पहले ही क्वेश्चन _________ हो रहा है। फिर भी _______ ही निकलेंगे।

विद् ऑनर / एनाउन्स (Announce) / 108

सही गलत वाक्यो को चिन्हित करे:- 【✔】 【✖】

1 :- निमन्त्रण को स्वीकार करना अर्थात् अपने आपको बाप के पास रखना। 【✔】

2 :- सदा संजीवनी बूटी साथ है तो कभी भी मूर्छित हो सकते। 【✖】

सदा संजीवनी बूटी साथ है तो कभी भी मूर्छित नहीं हो सकते।

3 :- ब्राह्मण जन्म का कर्त्तव्य ही यह है कि माया जीत जगतजीत बनेंगे। 【✔】

4 :- कमल का पुष्प अनुभव करने में प्रवीण। कमाल करने में गुलाब का फूल है। 【✖】

कमल का पुष्प कमाल करने में प्रवीण। अनुभव करने में गुलाब का फूल है।

5 :- बाप-समान श्रेष्ठ कर्म करने में आराम-पसन्दी साधारण स्थिति को पा सकते हैं। 【✖】

बाप-समान श्रेष्ठ कर्म करने में आराम-पसन्दी श्रेष्ठ स्थिति को नहीं पा सकते हैं।